पिउसंधी

"या अल्ला!" पीड़ा सूं टसकतै बूढै बिलोच करूंट फेरी।

कनें ही बैठ्योड़ी बेटी झेलो देवा ने हाथ आगो कीधो। बाप री लांबी चोड़ी देह साम्ही देखवा लागी। बिलूचिस्तान सूं आयोड़ा बिलोचियां रो सरदार कांगड़ो माचा पै पड़यो मौत सूं लड़ रियो, जमराज रा दूत लें जाण ने खैंच रिया। बरस चवदा पनराक री पिउसंधी सिराणं ऊभी बाप रो पीड़ा देख छटपटाय री। सारी ऊमर घोड़ा री पूठ माथै घर बसावणियो बिलोच प्राणां ने कंठा में अटकाय राख्या। वा पीड़ा ही सिकारपूरा रा पठाणां सूं व्हीयोड़ी हार। वीं बेइज्जती रो बदलो लेण ने पठाणां री घोड़य्यां खोस ले आवा री घणी कोसीस कीधी पण जतरी दांण गियो, नाक रगड़तो, खाली हाथां पाछो फिरणो पड़य्यो। पिउसंधी वींरा मन रा दुख ने देख री, बाप रा माथा पै हाथ फेरती बोली; "तुस्सांझे जीव नूं चैण रक्ख।"

कांगड़ो बिलोच, घणी पीड़ा अर निरासा रा आंसू भरयां बोल्यो,

"अस्सांझे पत्तर नीं, पुत्तर होय तो सिकारपुर पठाणां दी घोड़ी ल्यावै।"

बेटो नीं जो घोड़य्यां लाय बाप रो वैर ले, ई दुख सूं बाप रो जीव नीं निकळ रियो हैं। पिउसंधी रा बिलोच रगत में सरणाटी आयग्यो, लोही दौड़ग्यो। बाप रे साम्हे छाती तांणती बोली,

"मैंड़ा बोल सच्चा जांणै, जै तुस्सांझी पुत्तरी हूं तो घोड़ी ल्यादूं।"

बूढा बाप रे काना में जाणैं अमरत बरस्यो।

"तो ला पंजा दे।" हाथ लांवो पसारियो।

पिउसंधी हाथ पै हाथ राख बचन दीधो। सन्तोख री सांस रे सागै बिलोच रा प्राण उड़ग्या।

पिउसंधी माथा रा केसां रो जटाजूट बांध्यो, माथै लपेटो बांध्यो। बाप रा घोड़ा पै जीण कस्यो। बाप रो तीर कबांण संभाळ्यो। बिलोच जवानां रे लारै सस्तर विद्या सीखै। रोज घोड़ो दौड़ावै। सारो दिन कबांण पे तीर चलावै, रात पड़य्यां बिछाणां पै सूती सूती सपना देखै तो ही पठाणां पै तीर फैंकवा रा। खावतां, पीवतां, उठतां, बैठतां तीर अर कबांण। ग्यान ध्यान सगळो तीर कबांण! वा भूलगी के वा एक सोळा बरसां री सुंदरी है। वीने चेतो ही नीं रियो के मिनख जाति रा अस्त्री अर पुरस दो भेद है। वा सोचती के वा कांगड़ा बिलोच रो बेटो हैं, वींरो मन कैवतो, वा बेटो है, आत्मा

Scanned by CamScanner

हूंकारो भरती वा बेटो हैं, दुनियां कैवती अर जांणती के या कांगड़ा बिलोच रो बेट
है।

बाप री पोसाक पैरयां बाप रा ही सस्तर बांध्यां, बाप रा घोड़ा पै सवार
निकळती जद लोगां री आंख्यां वींरा मूंडा पै एक पल तो अटक ही जाती। नित
कसरत सूं कसयोड़ो सरीर, सूरज री किरणां री नांई फूटतो मूंडा ऊपरै तेज। देखव
वाळा देखता रै जाता। बूढां रा मूंडा सूं निकळ जातो "कोई जवान हैं।" जवानां
नजर वीं सूं हट आपणै सरीर माथै बराबरी करण ने अपणै आप परी जाती अर दू
ही पल पलकां झुक जाती। मांवां देखती तो एक अभलाखा मन में आय जाती, "म्हार
बेटो ही अस्यो व्हे।" जवान स्त्रियां अपणै पति रा मन में मांड्या चित्तर में ईंरो रं
घोळवा लागती।

पिउसंधी बिलोच जवानां रे सागै तीर चलाणै रो अभ्यास करती जद मजाल कां
के कोई ईंरा ई रा मुकाबला में आय तो जावै।

कान तांई खैंच'र तीर छोड़ती जद हजार पांवडा दूरो जाय निसाणो लागतो।

दाना बूढा दाद देता, "ई रां बाप रो तीर पांचसौ पांवडा पूगतो यो हजार पांवड
दूरा री खबर ले।"

सांझ रो वगत, सूरज भगवान आपरी किरणां ने भेळी कर घरै पधार रिया।
आखा दिन, डाळी डाळी फदक नाच'र पंछी घरां साम्हां मूंडा कीधा। सूरज री किरण
सूं सुनैरी रंग्योड़ी पांखां पसार्‌यां लीला आभा रे नीचै उड़ रिया। घूंसाळा में सूं छोटा
छोटा मूंडा काढ्यां बच्चा मांवां रे आणै री "चूं चूं" करता बाट न्हाळ रिया।

रेत रा टीबां रे ढाळ में, छोटी सी तळाई पै एक जुवान बैठ्यो, पाणी में झांकतो
कांई सोच रियो। कनें ही एक मोटो हिरण मर्‌यो पड़्यो, वींरी गाबड़ में धंस्योड़ा
तीर कनें सूं टपकती लोही री बूंदां बताय री के अबार अबार ही सिकार कीधी है।
खेजड़ै रे गोड सूं बंध्यो घोड़ो हींस रियो, तीरां सूं भर्‌यो भाथो जीण रा सिंघाड़ा में
लटक रियो।

टीबां रे पाछली कानी, मिनखां रे बोलणै री, घोड़ां रे टापां री अवाज सुण, जवान
ऊंचो माथो कीधो। टीबा रे ऊपरै ऊभो एक आदमी हाथ सूं आणै रो इसारो करतो
आपरा साथ वाळां ने हेलो मार्‌यो, "तळाई में पाणी है, आय जावो।"

थोड़ी ही देर में, कतरा ही तिसाया घोड़ां रा मूंडा पाणी सूं जाय लागा। आयोड़ा
घोड़ा घोड़्यां ने देख वीं जवान रो घोड़ो ऊंचो मूंडो कर जोर सूं हींसवा लाग्यो।
आयोड़ा मिनख डोढी डोढी आंख्यां सूं वीं जवान साम्हां देखै, मन में केवै, रूप अर
तेज रो अस्यो मेळ देखणै में नीं आयो, ई सूरज री किरणां तो डूब री हैं अर ईंरा

मूंडा सूं किरणां फूट री है। कुण व्हेला यो। एक सवार सूं रियो नीं गियो, जाणै कोई
सगती वींने खैंच'र वठै लेजाय री व्है। घोड़ा सूं उतर वींरे कांनी चाल्यो।

"काळेर तो ठाढो है, कठै मिल्यो?" सिकार कर्‌योड़ा हिरण रे कांनी झांकते,
सवार पूछ्यो।

"अगला ताल में। आओ बैठो विश्राम करो।"

या ही तो चावती वो। सवार बैठ्यो, जवान सरक'र बिछ्योड़ा जीण पै आधी
जगां सवार ने दीधी। बातां व्हेण लागी। आपणी आपणी ओळखाण कराई।

"म्हने भीमजी भाटी के, पाटण गांव रो हूं।"

"म्हूं कांगड़ा बिलोच रो बेटो।"

"आप तो सिंध रा रैवासी हो, अठी ने कियां आया?"

"सिकारपुर जाणै रो मनसूबो है।"

"सिकारपुर जाणै रा मता सूं तो म्हे ही आया हां। पठाणां री घोड़्यां रो नाम
तो आप ही सुण्यो व्हेला।"

"सुण्यो कांई वांरी खातर तो अतरा दूरा सूं चाल'र आयो ही हूं।"

"आछो! घणो आछो!!" भीमजी राजी व्हेग्यो। आछो साथ व्हीयो। म्हारे साथै
तीन सौ रजपूत है। आपरे सागै कतरोक साथ है?

पिउसंधी, भीमजी साम्ही मुळकती बोली, "म्हारा साथी तो म्हा हीज हां।"

कंथा रण में पैंसके, कांई जोवै छै साथ।
साथी थारा तीन है, हियो, कटारी, हाथ।।

ठाकरां! म्हारा तो ये हीज तीन साथी हैं। तीन सौ कोनी।"

भीमजी राजी राजी, साथ वाळां ने वठै हीज ठैर जाणै रो कहय्यो। एक आदमी
ने भेज्यो सिकारपुर पठाणां री घोड़्यां चरवा ने कठी ने जावै जींरो पतो लागायनै
आवै ज्यूं।

खबर लाया, घोड़्यां बीड़ में चर री है, दस बारा आदमी रुखाळी में साथै है।
ये गिया जो घोड़्यां ने घेरी, जो आदमी साम्हो वहीयो वींरे माथा में मारी। रुखाळा
भाग'र गांव में जाय हाको कीधो, पठाण तीर कबांण ले घोड़ा पै सवार लारै रा लारै
भाग्या। घोड़ां रा खुरां सूं उडी खेह रो बादळी छायग्यो। भीमजी कहय्यो, "पठाण
आयग्या है झट भागो।"

"कोरा भाग्यां काम नीं चालै, भीमजी, यां आवता पठाणां ने रोको। एक काम
थांरो, एक काम म्हारो। कै तो रुकनै पठाणां ने रोको, कै घोड़्यां घेर आगै बढो।

Scanned by CamScanner

बोलो झट।'' बिलोच जवान दाकल कीधी। घोड़य्यां घणी है, म्हां ले'र आगे बढ़ां थां यांने रोको।

''घणी आछी बात। यांने एक पग आगै नीं देवा दूं, थां धीरै धीरै खड़ो, पाछलो सोच मत करजो।''

भीमजी अर वांरा तीनसो ही साथी घोड़य्यां घेर आगै बढ़य्या। पिउसंधी कबाण पै तीर चढ़ाय , मारग में ऊभी व्हेगी। पठाणां रो झुण्ड, दांतां सूं होठ चाबतो, झाळ में भरय्यो, घोड़ा दपटातो आयो।

''ठैर जावो, वठै रा वठै, आगै पग दीधो तो मारय्या जावोला। जींरी ग्यारासै पांवडा तीर फैंकवा री हिम्मत व्हे जो आगै आवजो''

लारै रो लारै तणण करतो तीर गियो। हजार पांवडा पै ऊभा एक पठान री छाती में जाय गडय्यो। पठाणां रा आगै बढता घोड़ा धीमा पड़ग्या। पठाण ताण ताण'र तीर फैंकै जो कींरो ही तीनसो पांवडा पे पड़ै तो कींरो ही साढा तीनसो पांवडा पै, हद जो एक दो जणां रो चारसो पांवडा तक पूग्यो। पिउसंधी पागड़ा पै पग दे ऊभी व्हे'र तीर फैंके जो हजार पांवडा दूरां ऊभा पठाणां रा जत्था में जाय जवानां ने बीधै। छाती वाळा दस बीस जणां, घोड़ा दौड़ायां आगै बढणो चाहय्या पण गैला रा गैला में हीज पिउसंधी रा तीर वांने अर वांरा घोड़ां ने ठिकाणै राख दीधा। एक रो ही तीर पिउसंधी तक पूग्यो नीं।

पठाण ढीला पड़ पाछा फिरय्या, पिउसंधी पाछै फिर फिर देखती जावै, घोड़य्या रे खोजां खोजां चाली।

''वाह! बिलोच वाह!! कमाल करग्यो भाईड़ा आज।''

''कमाल वमाल कुछ नीं, भीमजी। लाओ घोड़य्यां री पांती करां, आधी थारी आधी म्हारी।''

''या किंया होवै? आधी थांरी अर आधी म्हारी क्यूं? थां एक म्हां अतरा।'' भीमजी रा साथ वाळा खळभळिया।

''आधी क्यू नीं? आधो काम थां सगळा मिल'र कीधो, आधो काम म्हें एकलै कीधो। थां घोड़य्यां घेरी, म्हें पठाणां ने रोक्या।''

''या नीं व्हे, जतरा मूंडका वतरी पांती''

पिउसंधी ने आई रीस, कबांण पै तीर चढायो '' आय जावो सामने, जो जीतै वींरी घोड़य्यां, सणण करता दो तीनेक तीर खेजड़ा रा गोड ने आर पार करता निकळग्या। एक री छाती नीं चाली आगै आबा री। भीमजी घोड़ां री आधी पांती कीधी। एक सांड घोड़ो बत्तो। भाटय्यां पाछो रगड़ो कीधो ''यो तो म्हे ले जावांला।''

पिउसंधी तो काढ तरवार वीं सांड घोड़ा रे कमर में झाटकी जो दो बटका। आपरी पांती री आधो आध घोड़य्यां घेर बढी, पांवडा पचासेक तो गी अर पाछी फिरी। ''भीमजी, लो ये घोड़य्यां थां ही राखो। म्हारे कांई करणो। लेणी ही जो ले लीधी, अबै थांने दीधी।''

या कैतांई पिउसंधी तो घोड़ा रे एड लगाई, घोड़ो वायरा सूं वातां करवा लाग्यो। साथ वाळा देखता ही रैग्या।

भीमजी साथ वाळा ने समझाया, ''थां खोटी कीधी जो ई बिलोच ने नाराज कर दीधो। म्हूं जावूं ई ने राजी करूं। अस्यो बादर आडी वगत काम आवै। अस्या सूरमा सूं बणांया राखणी चावै।''

भीमजी लारै, खोज देखतो चल्यो जावै। एक बावड़ी गैला में आई। कांई मन में आई जो भींत री कोचर में सूं झाक्यो। देखै तो ऊपर लो सांस ऊपरै, नीचै रो नीचै रैग्यो। बिलोच जवान री जगां एक सुन्दरी पाणी में डील रगड़ रगड़ न्हाय री, कनें पगत्या पै बिलोच रा मर्दाना कपड़ा, तीर कबांण पड़य्या। अतरा दिनां सूं आज एकांत जगां देख, पिउसंधी कपड़ा उतार न्हावण बैठी। कमर-कमर तांई लटकता केसां रे मांयने सोना रो सो सरीर चमक रियो। भीमजी री छाती नीं पड़ी के ईने बतळावै, पाछा पगां फिरय्यो, सौ पांवडा दूरा जाय, खैंखारा करतो खांसतो खांसतो बावड़ी कांनी आयो। अतरा में तो पिउसंधी कपड़ा पै'र कबांण नै हाथ में नचावती बारै निकळ ही गी। भीमजी आंख्यां में रच भरय्यां मुळकता लगा कहय्यो,

''नाराज क्यूं वैग्या? घोड़ा ही हाजर म्हूं ही हाजर। चालो गांव चालो, थां हुकम दो म्हां चाकरी करां।'' डोढी डोढी आख्यां करय्यां, मधरो मधरो मुळकतो हाथ पकड़तो बोल्यो, ''चालो।''

''सांच सांच कैदो, भीमजी, थां थोड़ी देर पै'लां बावड़ी में आया हा कांई?''

''चाहे मारो चाहे जिवावो, या तरवार लो यो म्हारो माथो। जीवणों तो थांरे साथै साथै, मरणो तो थांरे हाथ सूं।'' भीमजी आपरी तरवार काढ पिउसंधी रे हाथ में झेलाण लाग्यो। ''थांरा हाथ सूं तो मरणो ही मीठो।''

तरवार ने अळगी करती पिउसंधी कहय्यो, ''म्हूं बिलोच मुसलमान, थां भाटी सिरदार थांरे घर वाळा.........''

''भीमजी मूंडा पै हाथ राख दीधो ''ऊं हूं'' जांत पांत तो गुंवार देखै। रजपूत री जात वीरता। जो आपां एक जात रा हां हीज।''

मूंडा पै सूं हाथ दूर करती पीउसंधी बोली,

Scanned by CamScanner

"म्हूं टाबर ही जद म्हारी सगाई आंटा भील रे साथै व्ही, म्हूं वींरी माग हूं, वो बैर लीधां बिना मानेला नी जो सोच लीजो।"

"वींरो कांई सोच! थांने मंजूर?"

पिउसंधी रा गाल लाल व्हेग्या, नींची आंख्यां कर मुळक दीधो। भीमजी ने लाग्यो जाणै आसमान में उड़ रियो हैं।

अंधारी रात, हाथ सूं हाथ दीखै नीं, झरमर झरमर छांटा पड़ रिया। पिउसंधी अर भीमजी ढोल्या पै सोय रिया। कनें ही ढोलणी माथै पिउसंधी रा दो बेटा गहरी नींद मे सूता।

भीमजी तो नसा में, जो गाढा सूता पड़्या पण पिउसंधी ने नींद नीं। बीजळी रो पळको पड़्यो, पळाका में पिउसंधी ने दीख्यो भींत पै चढ़तो दांतां में तरवार पकड्यां एक आदमी, पिउसंधी चमक गी, आंटो भील! जरूर आंटो भील!! दूजो कोई नीं। आटै भील देख्यो बीजळी रा पळाका में, पिउसंधी ने अर भीमजी ने एक ढोल्या पै सूता थका। नस नस में वासदी लागगी। "आज दोवां रा ही एक झटका में टुकड़ा करूं। घणां दिन व्हेग्या घात घालतां ने, नींठ आज मोको भिल्यो।" धीरै धीरै पग बजायां बिना वो भींत सूं नीचै उतरय्यो।

पीउसंधी ढोल्या सूं धीरे सी नीचै उतरी, सिराणा सूं नांगी तरवार उठाय हाथ में तोल्यां ऊभी। सांस रोक राख्यो तरवार ने पूरी ऊंची हाथ में उठाय राखी। आंटो भील ज्यूं ही ढोल्या कनें आयो अर सोची के दोवां ने एक साथ ही बाढूं, जठा पै'लो तो पिउसंधी री तरवार आंटा भील पै पड़ी जो माथो टूट पगात्यां कानी गुड़ग्यो, धड़ वठै हीज ढोल्या कनें पड़ग्यो। लोहय्यां सूं आंगणों आलो व्हेग्यो।

तरवार ने सिराणै मेल पिउसंधी सोयगी।

पाछली पो'र रा भीमजी रो नसो उतरय्यो; नीचै उतरय्या तो लोहय्यां में पग पड़य्यो, चप चप करता पग भरग्या, जाण्यो परनाळा रो पाणी भरय्यो दीखै, बोल्या, "रात अधारी चीखलो"

झट पिउसंधी बोली, "आंटो बीखरियो।"

मैं। पिउसंधी झाटकियो, सो भीमो ऊबरियो"

जखड़ा मुखड़ा दोई बेटा ने पिउसंधी आप तीर कबांण चलावणो सिखावै, तरवार रा हाथ बतावै।

गांव रे बारै, साथियां रे साथै दोई भाई खेल रिया। एक गुवाळ दौड़य्यो आयो, छाती में सांस नीं माय रियो, गांव साम्हों भाग्यो आवै। जखडै रोकतै लगै पूछय्यो, "कांई व्हीयो? भाग्यो क्यूं जाय रियो है?"

"ना'र, ना'र गाय ने मार रियो है, मोटो ना'र।"

"कठै कठै?" जखडै मुखड़ै साथै साथै पूछय्यो।

"यो कनें ही।"

"चाल, चाल बता" गुवाळ रे लारै जखडो व्हेग्यो।

देखै तो ना'र गाय ने पकड़ छाती नीचै दबायां बैठय्यो, चारूं कानी झांक रियो।

यां ने देखतां ही ना'र झपटय्यो, जखड़ै तो आवता ना'र रे साम्हे माथै तरवार री झापटी सो भेजो खुलग्यो। "हो, हो" करतो ना'र जमीं पै ढळग्यो। पूंछ पकड़'र घींसता लगा घरै लेग्या।

भीमजी राजी तो व्हीया पण बोल्या, "ना'र सिंध रा धणी री सिकार हैं। ओळम्भो आवैला।"

सांच ही दूजे दिन तो सिंध रा नवाब रा सवार आयग्या, ना'र मारय्यो व्हे जीने हाजर करो।

भीमजी जखड़ा ने ले नवाब रे कनें गिया।

नवाब डपट तै लगै पूछय्यो, "ना'र कुण मारय्यो?"

जखड़ो ऊभी व्हीयो, "म्हे मारय्यो।" नवाब मूंडो देखतो रैग्यो। ई दस बरस रा टाबर रा निस्संक पणां पै अचंभो आयो।

"क्यू?" नवाब सवाल कीधो।

"ना'र गाय ने मार रियो जो वींने बचावा ने, दूजो बस्ती रे कनें आयग्यो ज्यूं, मारतो नीं तो मिनखां रो नुकसाण व्हेवा देतो?"

नवाब चुप रैग्यो। माथा सूं लगाय एड़ी तक गौर सूं वीने देख्यो। लड़का रो डील, मूंडा रो तेवर, चेहरा रो रोब, बोलणै री हिम्मत। भीमजी कांनी देख्यो। भीमजी डील डौल सकल रो तो आछो पण जखड़ा री तो बात ही और। नवाब सोच्यो, टावर कै तो मां पै व्हे कै वाप पै व्हे। यो जरूर ई री मां पै है। ई री मां ने देखणी चाहीजै, कसीक है

भीमजी सूं कहय्यो, "ई जखड़ा रो खेत बतावो, जीं खेत में यो नीपज्यो, वींने देखण री लालसा हैं। थां घरां जावो पण जखड़ा रो खेत बताणो ही पड़ेला"

भीमजी ढीला ढीला घरै आया। पिउसंधी पूछय्यो, "कांई बात व्ही? अतरा उदास क्यूं?"

Scanned by CamScanner

"उदास कांई है, कै तो घर छूटैला के मनख जमारा पै कळंक लागैला। और कांई नी व्हेणी है। नवाब जखड़ै रो खेत देखणै री जिद करै। म्हूं म्हारी लुगाई की बताऊं? भीमजी उदास व्हे ढोल्या पै पड़ग्या।

पिउसंधी वीं दिन भीमजी ने अमल रो दूणो गाळमो दीधो। भीम जी ने गैरो नसो व्हेग्यो, वांने सुवा देय पिउसंधी आपरी पुराणी पोसाक काढी, आपरा घोड़ा रो जीण कीधो। सूरज ऊगतां ऊगतां, नवाब रा दरवाजा बारै आय ऊभी री।

चोबदार रे सागै अरज कराई कांगड़ा बिलोच रो बेटो आयो है, मुजरा री अरज करावै।

नवाब बुलायो, मुजरो कर अदब सूं बैठी।

"थारो नाम?"

"सिकार खां। आपरै सिकार री तारीफ सुणी है, म्हारे ही सिंकार रो साक है। सिकार पधारो तो सिकार खेलां, देखां अर दिखावां। सिकार करां अर करावां।"

नवाब झट सिकार री त्यारी रो हुकम दीधो, करनाळ कराई, सिकारी कुत्ता साथै लीधा, हाथां रे बाज बांध्या, सिकार चाल्या।

जठी ने पिउसंधी निकळ जावै, वठी ने जिनावरां रो ढिगलो व्हेतो जावै। वीरा निसाणा देख देख, नवाब साबास, साबास करै। तोरां री मार देख दांता तळै आंगळी देय दीधी।

सांझ तांई सिकार रम्या, घणो आणंद आयो। ना'र सूरां रो ढिगलो कर दीधो पिउसंधी तो। सामर, हिरणां सूं गाडा भरय्या।

पिउसंधी घरै जाणै री सोख मांगी। नवाब कहय्यो, दो दिन और ठैरो थारै साथै घणो आणंद रियो सिकार रो। काले और चालांला।

पिउसंधी सलाम कीधी, "फेर दो चार दिन पछै हाजर व्हूंला, आज तो जरूरी जाणो ही है। नवाब कड़ा सिरोपाव दे सीख दीधी।

पिउसंधी घरै आई जतरै भीमजी ढोल्या पै पड़य्या आळस मोड़ रिया हा। दूजे दिन तो नवाब रा सिपाही भीमजी ने आय ताकीद कीधी हीज जखड़ा रा खेत ने बताणै री। पिऊसंधी कड़ा सिरोपाव भीमजी रे हाथ में दीधा, ये नवाब रे मूं डागै राख दीजो पछै वो खेत ने देखवा रो नाम नी लेवै। भीमजी ने देखतां ही नवाब आंख्या काढी।

"एकला एकला आया? म्हें देखवा ने कहय्यो वा चीज कठै है?"

"वा तो नजर गुजार कद की ही व्हेगी।" भीमजी हंसते हंसते कहय्यो।

नवाब लाल पड़ग्यो, " भीमजी! तमीज सूं बात करो।"

"तमीज ही सूं तो कर रियो हूं। ये कड़ा सिरोपाव म्हारे पैरवाने है जांने ओळखो। कालै सिकारखां आप सूं मिल्यो कोनी हो के?" नवाब अचम्भा सूं बाको फाड़ दीधो।

"वाह रे वाह सिकारखां! असी मा हीज अस्या पूत जणै।" गाबड़ हलावतो, दूहो बोल्यो,

भुंई परक्खो हे नरां, कांई परक्खो विंद।
भुंई बिन भला न नीपजै, कण तृण, तुरी, नरिंद।।

धरती (मां) ने देखो। बिना उत्तम धरती (मां) रे, तृण, धान घोड़ा अर नर आछा पैदा नीं व्हे सकै।

Scanned by CamScanner